जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 212 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 5 जून, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष होंगे?

इस महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए बघेल ने अपनी वफादारी, प्रियंका गांधी खेमे से हटाकर, के.सी. वेणुगोपाल के खेमे से जोड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के अगले अध्यक्ष बनने की तैयारी कर रहे हैं। यह चौंकाने वाला घटनाक्रम इसलिए हो रहा है क्योंकि बघेल ने दीर्घगामी रणनीति बनाकर इस लक्ष्य को साधने की दिशा में काम किया है।

सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ के पूर्व मुख्यमंत्री और ओबीसी (कुर्मी) नेता भूपेश बघेल अब प्रियंका गांधी खेमे में नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद को के.सी. वेणुगोपाल खेमे में शामिल कर लिया है।

विदित ही है कि आज के समय में के.सी. वेणुगोपाल कांग्रेस पार्टी के सबसे ताक़तवर व्यक्ति हैं। और बघेल का मानना है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने का रास्ता वेणुगोपाल से होकर ही गुजरता है।

बघेल वर्तमान में पंजाब के प्रभारी हैं, जहाँ उन्होंने वेणुगोपाल के सामने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और कई मुद्दों पर कोई स्वतंत्र रुख नहीं अपना रहे हैं।

पंजाब में वरिष्ठ नेताओं का एक समूह वेणुगोपाल की संरक्षण में है, जिसमें रंधावा, राजा वडिंग, प्रताप सिंह बाजवा जैसे नाम शामिल हैं। इन नेताओं पर आरोप है कि वे आम आदमी पार्टी और भाजपा के हाथों में पूरी तरह खेल

- **बघेल ही नहीं, राजस्थान के प्रभारी रंधावा भी अब पूर्णतया के.सी. वेणुगोपाल के खेमे के सदस्य हैं।**
- **पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत भी अब दिल्ली के सैट-अप में अपना स्थान वेणुगोपाल के मार्फत बनाना चाहते हैं।**
- **परंतु, जब से गहलोत ने तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी व नेहरु-गांधी परिवार के खिलाफ बगावत की थी, वेणुगोपाल भी राहुल गांधी के दरबार में गहलोत की ''एंट्री'' कराने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। अंबिका सोनी, जिनकी सोनिया गांधी भी सुनती हैं, गहलोत का पुनर्वास कराने में सफल नहीं हो पा रही हैं।**
- **वस्तुस्थिति यह है कि एआईसीसी के अधिकांश पदाधिकारी व राज्यों के प्रभारी, वर्तमान वेणुगोपाल के प्रति वफादारी रखते हैं, क्योंकि, वे सब वेणुगोपाल द्वारा नियुक्त किये गये हैं या उनकी जवाबदेही वेणुगोपाल से है तथा वेणुगोपाल से निर्देश लेकर ही काम करते हैं। इनमें प्रमुख हैं, जयराम रमेश, दीपा दास मुंशी, अविनाश पाण्डेय, हरीश चौधरी, देवेन्द्र यादव आदि।**
- **बघेल जो पंजाब के प्रभारी हैं, भी इसी क्रम में, वेणुगोपाल के समक्ष आत्मसर्मपण कर चुके हैं। अतः वे पंजाब के किसी भी मुद्दे पर, कोई ''स्टैण्ड'' नहीं लेते, केवल वो ही करते हैं, जो वेणुगोपाल चाहते हैं। राजस्थान के प्रभारी रंधावा, पंजाब के वरिष्ठ नेतागण, जैसे राजा वडिंग, प्रताप सिंह बाजवा आदि भी वेणुगोपाल के खेमे में हैं और उन्हें वेणुगोपाल का संरक्षण प्राप्त है।**

21 जुलाई से आरंभ होगा, संसद का मानूसन सत्र

नयी दिल्ली, 04 जून। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। मानसून सत्र में ऑपरेशन सिन्दूर और आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होन पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार यह संभावना भी है कि सत्र के दौरान न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव लाया जाऐगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रस्ताव लाने का निर्णय होता है, तो उसे इसी सत्र में लाया जाएगा। विपक्ष ने ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर संसद का विशेष सत्र लाने की सरकार से मांग की थी।

रहे हैं, जिससे राज्य में कांग्रेस का स्थिति बेहद कमजोर हो चुकी है।

पंजाब प्रभारी होने के बावजूद, बघेल ने किसी भी मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है और सिर्फ वेणुगोपाल के निर्देशों पर चल रहे हैं।

केवल इतना ही नही है। कांग्रेस के लगभग सभी महासचिव और राज्य प्रभारियों की नियुक्ति वेणुगोपाल ने की है या वे सीधे उन्हीं को रिपोर्ट करते हैं तथा उनसे ही निर्देश प्राप्त करते हैं।

इनमें जयराम रमेश, दीपा दास मुंशी, अविनाश पांडे, हरीश चौधरी, देवेंद्र यादव कई अन्य नेता शामिल हैं।

पार्टी में आम धारणा यह बन गई है कि अगर पार्टी में किसी को टिकना है तो यह वेणुगोपाल के आशीर्वाद से ही हो सकता है, जो राहुल गांधी के ''आंख, कान और सब कुछ'' हैं।

दिलचस्प बात यह है कि अविनाश पांडे को प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया था, लेकिन कुछ दिन बाद, उन्होंने खेमा बदल लिया और अब वे के सी वेणुगोपाल को ही रिपोर्ट करते हैं। उत्तर प्रदेश में अब चुनाव में मात्र डेढ साल बचा है और पार्टी का संगठन बिखरा हुआ है।

राजस्थान प्रभारी रंधावा, जिन्हें हटाया जाना था, वेणुगोपाल के खेमे में शामिल हो गये, और इसलिये उन्हें बचा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका की छात्र वीसा नीति पर चुप क्यों है सरकार'

नई दिल्ली, 04 जून। कांग्रेस ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस फैसले पर चिंता जताई, जिसका वहां पढ़ ने वाले विदेशी छात्रों पर असर पड़ रहा है। इस दौरान कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि चीन ने अपने छात्रों के लिए सख्त प्रतिक्रिया दी है, लेकिन पीएम मोदी और विदेश मंत्री इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप हैं, जिसके चलते भारतीय छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि विदेश मंत्रालय के अनुसार, साल 2024 में लगभग 3,37,630 भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए।

छः जून को प्र.मंत्री चिनाब रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे

यह पुल रेलवे इंजिनियरिंग की महान, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि तो है ही, साथ ही भारत का जवाब है, आतंकवाद के मुकाबले

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 जून को जम्मू-कश्मीर में चेनाब रेल पुल का उद्घाटन करेंगे, यह इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है, जो न केवल बेहतर संपर्क सुनिश्चित करता है, बल्कि आतंकवाद की हालिया घटनाओं से जूझ रहे पर्यटन-आधारित इस राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा साबित हो सकता है।

1.31 किमी लंबा चेनाब पुल, जो नदी तल से 359 मीटर ऊँचा है और आइफिल टावर से भी ऊँचा है, दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे पुल है। यह लंबे समय से प्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) का हिस्सा है। इस पुल की लागत 1,486 करोड रही और इसे पूरा करने में दो दशक से अधिक का समय लगा, क्योंकि हिमालयी क्षेत्र की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और जलवायु एक बडी चुनौती थीं। अब इसे घाटी के लिए एक ''गेम-चेंजर'' के रूप में देखा जा रहा है, जहाँ पर्यटन को उग्रवाद और आर्थिक गति हीनता का सबसे प्रभावी जवाब माना जाता है।

यह पुल यूएसबीआरएल परियोजना का केन्द्र है, यह 272 किमी लंबा रेल कॉरिडोर दुनिया के भूगर्भीय दृष्टि से सबसे जटिल क्षेत्रों में से एक से

- **यह पुल दुनिया का सबसे ऊँचा पुल है। इसकी ऊँचाई आइफल टावर से भी अधिक है तथा इसके निर्माण में 1,486 करोड़ रूपए की लागत आयी और निर्माण में दो दशक से ज्यादा समय लगा।**
- **यह पुल ऊधमपुर, श्रीनगर, बारामूला की 272 किलोमीटर लम्बी रेल लिंक योजना का सबसे महत्वपूर्ण अंग है तथा इस रेल लिंक में 943 पुल, 36 सुरंगें हैं, जिसमें भारत की सबसे बड़ी, 12.77 किलोमीटर लम्बी सुरंग भी शामिल है।**
- **इस रेल लिंक के उद्घाटन से पहले कश्मीर में पर्यटन ज्यादा से ज्यादा ग्रीष्मऋतु तक सीमित रहता था तथा मौसम के मिजाज़ पर निर्भर था। अब इस लिंक के बाद पर्यटन साल भर चलने वाली गतिविधि बनेगी तथा कश्मीर के उत्पाद, जैसे, सेब एक दिन में दिल्ली के मार्केट में पहुँच सकेंगे, बिकने के लिए।**
- **भारत सरकार का नारा,''जनता को जोड़ो, क्षेत्र को खोलो'' तथा ''विकास को आने दो'', के लिए यह ''टैस्ट केस'' है।**

होकर गुजरता है। इस परियोजना में 943 से अधिक पुल और 36 प्रमुख सुरंगें हैं, जिनमें भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग (टी-50) शामिल है जो 12.77 किमी लंबी है। यह 42,000 करोड़ की इस परियोजना का लक्ष्य पूरे साल, तेज और विश्वसनीय तरीके से कश्मीर को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़े रखना है।

यह कनैक्टिविटी इससे ज्यादा बेहतर समय पर नहीं आ सकती थी। अप्रैल में पहलगाम के बैसारन घाटी में हुए आतंकवादी हमले में 25 पर्यटकों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)